an>

Title: Need to make Gorra and Ami rivers in Gorakhpur pollution free.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): महोदय, जल जीवन का आधार है। भौतिक विकास के अन्धानुकरण ने जीवन के प्रमुख आधार को प्रदूषित कर जीव और जगत के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। देश की माँ तुल्य प्रमुख नदियाँ गंगा, यमुना, गोदावरी आदि बड़ी नदियाँ हों अथवा उनसे जुड़ी सहायक नदियाँ, उन सभी को अनियोजित एवं अवैज्ञानिक विकास की सोच ने या तो पूरी तरह अवरूद्ध कर दिया है अथवा प्रदूषित कर दिया है। गोरखपुर (उ0प्र0) में बहने वाली राप्ती नदी की सहायक नदियाँ आमी और गोर्रा नदी पिछले कई वर्षों से इस अभिशाप से अभिशप्त हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व इन दोनों नदियों का तटवर्ती क्षेत्र खेती किसानी के साथ-साथ पशुधन के लिए जाना जाता था। मछुआरों की आय का भी प्रमुख साधन ये नदियाँ थीं, लेकिन आमी नदी रूधौली तथा खलीलाबाद की औद्योगिक इकाइयों और नगरीय कचरे के कारण पूरी तरह प्रदूषित हो गई हैं। इसी प्रकार की त्रासदी का शिकार गोर्रा नदी भी हुई है। इस नदी के तटवर्ती गाँव में पशुधन, खेती किसानी, मछली पालन सभी जल प्रदूषण की भेंट चढ़ गए हैं। वर्तमान में ये नदियाँ भयंकर जल प्रदूषण के कारण बदबू फैला रही हैं। राप्ती नदी में मिलने पर कई किलोमीटर तक इन नदियों के कारण बड़ी संख्या में मछलियाँ मर रही हैं।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि देश की नदी संस्कृति के संरक्षण के लिए इन्हें प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त रखा जाए और इनकी अविरलता और निर्मलता को बनाए रखा जाए।